Seventeenth Loksabha

an>

Title: Demand to construct new railway staff quarters and develop dilapidated railway colonies on Public Private Partnership (PPP) model in Kalyan Parliamentary Constituency, Maharashtra.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद । मैं इस सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ । भारतीय रेल की जो जगह है और जहां पर डिलेपिडेटेड स्टाफ क्वार्टर्स हैं, उसके संबंध में यह विषय है । भारतीय रेलवे के पास काफी एरिया में अनऑक्यूपाइड लैंड है । मेरी जानकारी में भारतीय रेलवे के पास 43 हजार हेक्टेयर वेकेंट लैंड है, जिसमें से सेन्ट्रल रेलवे के पास 2022 एकड़ जमीन खाली है ।

कई जगहों पर पहले स्टार्फ क्वार्टर्स हुआ करते थे, जो वर्तमान में जर्जर हालत में हैं और खण्डहर हो चुके हैं । ...(व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, आप मुझे एक मिनट का समय दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : आज के दिन बैठ जाइए ।

... (व्यवधान)

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे: सर, ऐसी जमीन और इमारतों के पुनर्निर्माण का कार्य रेल लैण्ड डेवलपमेंट अथॉरिटी को दिया गया है । आरएलडीए को जुलाई, 2021 में मुंबई की सुपारी बाग कॉलोनी दी गई है । आरएलडीए वर्ष 2020 में दिल्ली की बुलिवर्ड रोड रेलवे कॉलोनी के अलावा, पूरे देश में 84 रेलवे कॉलोनीज रिडेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर काम कर रही है और इसके अंतर्गत पुराने स्टाफ क्वार्टर्स को डिमॉलिश करके वहां पर रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज डेवलप कर रही है । इनमें से, कल्याण में 21 एकड़ जमीन पर काम सितम्बर, 2020 में आरएलडीए को दिया गया था, लेकिन इसमें कोई भी कार्य अभी तक शुरू नहीं हुआ है । ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अधीर रंजन चौधरी जी, आपका क्या विषय है?

… (व्यवधान)

SHRI ADHIR RANJAN CHOWDHURY: Sir, our MPs have been detained before visiting Nagaland.… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट रुकिए, पहले माननीय सदस्य को बोलने दीजिए ।

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे जी, आप बोलिए ।

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे: सर, मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से निवेदन है कि सर्वप्रथम आरएलडीए की कार्यप्रणाली का रिव्यू तत्काल किया जाए, क्योंकि सारी परियोजनाओं में विलम्ब हो रहा है और कॉस्ट एस्केलेशन हो रही है, इसलिए आरएलडीए की इफेक्टिवनेस पर सन्देह उठता है । मुझे लगता है कि जैसे हम स्टेशन रिडेवलपमेंट में पीपीपी मॉडल को अपना रहे हैं, उसी तरह रेलवे की खाली जगह और कॉलोनीज के रिडेवलपमेंट के लिए भी पीपीपी मॉडल को एक्सप्लोर किया जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा रेलवे क्वार्टर्स रेलवे को मिलेंगे । … (व्यवधान)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, दो किस्म के मुद्दे हैं । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट रुकिए, पहले माननीय सदस्य को अपनी बात पूरी करने दीजिए ।

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे: सर, इससे रेलवे को अपने स्टाफ क्वार्टर्स मिलेंगे और इसके साथ ही रेलवे को प्राइवेट प्लेयर्स के माध्यम से कॉमर्शियल प्रापर्टी डेवलप करके राजस्व प्राप्ति के लिए मिलेगी, ऐसा मुझे लगता है । …(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि रेलवे मंत्रालय इस बात के बारे में सोचे, पीपीपी मॉडल का अवलम्बन करे और आरएलडीए के कारण जो देरी हो रही, उस पर जल्द से जल्द कार्रवाई करे । धन्यवाद । …(व्यवधान)